सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

शिक्षा और शिक्षण से जुड़े सभी लोगों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

शिक्षक ज्ञान, चरित्र और संस्कार से अलंकृत कर एक विद्यार्थी के समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं। जीवन में अंधकार को ज्ञान रूपी प्रकाश से दूर करने वाले गुरू के बारे में हमारे यहां कहा गया है-

गुकारस्त्वन्धकारस्तु रुकारस्तेज उच्यते ।
अन्धकार: निरोधत्वात् गुरुरित्यभिधीयते ॥

भारत के भव्य भविष्य के संकल्प के साथ आज हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। इस लक्ष्य की सिद्धि इस बात पर निर्भर है कि हम अपने युवाओं को आज कैसी शिक्षा दे रहे हैं। हमारे यहां यह मान्यता रही है कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो एक अच्छा शिक्षक मिलने के बाद प्राप्त नहीं हो सके।

हमारी युवा पीढ़ी को क्षमता सृजन के जरिये नयी संभावनाओं से जोड़ने के लिए देश ने जो नयी शिक्षा नीति अपनाई है, उसके निर्माण से लेकर कार्यान्वयन तक, हर चरण में हमारे शिक्षकों की सक्रिय भूमिका है।

कोरोना के दौर में जब शिक्षण और कौशल के क्षेत्र में चुनौतियां आईं तो शिक्षकों ने नई आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक की सहायता से यह प्रयास किया कि शिक्षार्थियों के सीखने की प्रक्रिया में बाधा न आये।

शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को मेरा नमन है जिनका जीवन शिक्षकों के माहात्म्य को सुनिश्चित कराने में समर्पित रहा।

मुझे विश्वास है कि इस दिन से प्रेरणा लेकर शिक्षकगण राष्ट्र-निर्माण के महायज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 11, शक संवत् 1943
02 सितम्बर, 2021